Sr. No. : 10080
Name of the course: B.Sc. (Hons) Home-Science- NEP UGCF
Semester: VII- DSE HH 7A3
Unique Paper Code: 2203010024
Name of the Paper: Child Rights and Social Action
Duration of the paper: 2 hours
Maximum Marks: 60

Instructions:
निर्देश:
Read all questions carefully.
सभी प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
Attempt **any four** questions in all.
किन्हीं **चार प्रश्नों** के उत्तर दीजिए।
Each question carries equal marks.
प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।
Answers may be written in Hindi or English, but the same medium should be followed throughout the paper.
जवाब हिन्दी या अंग्रेजी में लिखा जा सकता है, लेकिन एक ही माध्यम का पालन किया जाना चाहिए

1. Discuss the evolution of child rights at the global and national level. Highlight the major milestones that shaped the Child Rights framework in India. (15)

वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर बाल अधिकारों के विकास पर चर्चा कीजिए। भारत में बाल अधिकार ढाँचे को आकार देने वाले प्रमुख मील के पत्थरों पर प्रकाश डालिए।

2. Describe the structural and functional aspects of the Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act, 2015. How does the Act ensure rehabilitation and social reintegration of children?
(15)

किशोर न्याय (बालकों की देखभाल एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 के संरचनात्मक और कार्यात्मक पहलुओं का वर्णन कीजिए। यह अधिनियम बच्चों के पुनर्वास और सामाजिक पुनर्एकीकरण को कैसे सुनिश्चित करता है?

3. Evaluate the role of institutions and structures such as CWCs, DCPUs, and NCPCR/SCPCRs in safeguarding child rights in India. Provide examples of their interventions. (15)

भारत में बाल अधिकारों की रक्षा में बाल कल्याण समितियाँ , जिला बाल संरक्षण इकाइयाँ और राष्ट्रीय/राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग जैसी संस्थाओं और संरचनाओं की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए। उनके हस्तक्षेपों के उदाहरण दीजिए।

4. Write a detailed account of the nature, causes, and consequences of child labour in India. Suggest multilevel strategies (governmental, community-based, and legal) to eliminate child labour.
(15)

भारत में बाल श्रम की प्रकृति, कारणों और परिणामों का विस्तृत विवरण लिखिए। बाल श्रम उन्मूलन के लिए बहुस्तरीय रणनीतियाँ (सरकारी, समुदाय-आधारित और कानूनी) सुझाइए।

5. Discuss the concept of social action in the context of child rights. How can youth and students contribute to promoting rights, protection, and well-being of children? Provide practical examples.
(15)

बाल अधिकारों के संदर्भ में सामाजिक कार्रवाई की अवधारणा पर चर्चा कीजिए। युवा और छात्र बच्चों के अधिकारों, संरक्षण और कल्याण को बढ़ावा देने में कैसे योगदान दे सकते हैं? व्यावहारिक उदाहरण दीजिए।

6. Analyse the different forms of child abuse. Explain the legal provisions of POCSO Act, 2012 and the importance of mandatory reporting.
(15)

बाल दुर्व्यवहार के विभिन्न रूपों का विश्लेषण कीजिए। POCSO अधिनियम, 2012 के कानूनी प्रावधानों और अनिवार्य रिपोर्टिंग के महत्व की व्याख्या कीजिए।

7. Write short notes on **any two** of the following: (7.5, 7.5)
a) UNCRC principles
b) Child marriage and its implications
c) Role of NGOs in child rights advocacy
d) Street Children

निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:
क) यूएनसीआरसी के सिद्धांत
ख) बाल विवाह और उसके निहितार्थ
ग) बाल अधिकारों की वकालत में गैर सरकारी संगठनों की भूमिका
घ) बेघर बच्चे